Roll No. ..... Total Pages : 3

LMDQ/D-23 **10846**

भारतीय साहित्यशास्त्र

Paper–MAH-301

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

समीक्षात्मक खण्ड

1. साहित्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके तत्वों का वर्णन कीजिए।

अथवा

'साहित्य जनता की चित्तवृतियों का संचित प्रतिबिम्ब है।' स्पष्ट कीजिए। 12

2. रस की अवधारणा स्पष्ट करते हुए रसानुभूति की प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए।

अथवा

वक्रोक्ति का अर्थ बताते हुए इसके भेदों का वर्णन कीजिए। 12

3. मुंशी प्रेमचन्द के साहित्य चिन्तन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रीतिकालीन हिन्दी आचार्यों के साहित्य चिन्तन का उल्लेख कीजिए। 12

4. भालचन्द्र निमाड़े के साहित्य चिन्तन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रवीन्द्रनाथ टैगोर के साहित्य चिन्तन पर प्रकाश डालिए। 12

लघु-उत्तरीय खण्ड

5. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (लगभग 250 शब्दों में)

(क) रूप और वस्तु का अन्तर्सम्बन्ध।

(ख) बिम्ब और प्रतीक में अन्तर।

(ग) ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

(घ) वक्रोक्ति सिद्धांत के भेद।

(ङ) काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन।

(च) लक्षणामूलक ध्वनि।

(छ) काव्य में अलंकार का औचित्य। (4×6=24)

वस्तुनिष्ठ खण्ड

6. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) काव्य कितने माने गए हैं?

(ख) साहित्य का प्रयोजन 'उपयोगितावादी' कौन मानता है?

(ग) भामह के अनुसार वक्रोक्ति का मूल तत्व कौन-सा है?

(घ) आनंदवर्धन ने ध्वनि के कितने प्रकार बताए हैं?

(ङ) 'साहित्य का चरम मान रस ही है' कथन किसका है?

(च) 'श्रृंगार' को एकमात्र सार्वभौम रस किसने माना है?

(छ) सात्त्विक अनुभाव की संख्या कितनी मानी गयी है?

(ज) भरतमुनि ने रसों की संख्या कितनी मानी है? (1×8=8)